9- हक त्याग–पत्र

(पैत्क सम्पत्ति में रक्त सम्बन्धियों के अलावा)

यह हक त्याग–पत्र श्री .....पुत्र श्री ....आयु ..... निवासी ....जो इस दस्तावेज का प्रथम पक्षकार, एवं श्री ..... पुत्र श्री ..... आयु ..... निवासी..... ..... जो इस दस्तावेज का द्वितीय पक्षकार है के मध्य निष्पादित किया गया है।

उपरोक्त दोनों पक्षकारों द्वारा एक आवासीय/औद्योगिक/व्यावसायिक भूखण्ड जिसका क्षेत्रफल .... है एवं जो .....ग्राम/तहसील/जनपद..... में स्थित है (जिसका आस–पड़ौस एवं विवरण अनुसूची में अंकित है) उसे इस दस्तावेज के पक्षकारों द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक ..... को क्रय किया था। हमारा इसमें बराबर का हिस्सा होने से दोनों पक्षकार सहस्वामी एवं सह हिस्सेदार हैं। उक्त विलेख का पंजीकरण उप निबन्धक कार्यालय...जनपद... में बही नम्बर एक खण्ड... पृष्ठ संख्या... संख्या... दिनांक ... को हुआ है। चूँकि द्वितीय पक्षकार श्री ..... पुत्र श्री ..... को अब रूपयों की आवश्यकता है एवं वह उक्त अचल सम्पत्ति में अपने व्यय किये गये रूपयों को अन्यत्र व्यय करना चाहता है। अतः द्वितीय पक्षकार अपने आधे

हिस्से का प्रथम पक्षकार श्री ..... पुत्र श्री ..... के पक्ष में हक त्याग करता है।

अतएव यह लेख्य–पत्र साक्ष्यांकित करता हैः–

(1) यह कि द्वितीय पक्षकार ने संयुक्त स्वामित्व की अनुसूची में वर्णित अचल सम्पत्ति में से अपने सम्पूर्ण हित का प्रतिफल रूपये .....प्राप्त कर प्रथम पक्षकार श्री ..... पुत्र श्री .... के पक्ष में हक त्याग कर दिया है।

(2) यह कि प्रथम पक्षकार अब अनुसूची में प्रदर्शित अचल सम्पत्ति का तनहा मालिक एवं काबिज हो गया है।

(3) यह कि मेरा इस अचल सम्पत्ति में अब कोई लेना–देना बाकी नहीं है एवं इससे मेरे उत्तराधिकारी भी बाध्य होंगे।साक्ष्य स्वरूप यह हक त्याग पत्र निम्नलिखित साक्षीगणों की उपस्थिति में दोनों पक्षकारों द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।

अनुसूची

(1) ..... प्रथम पक्ष

(2) ..... द्वितीय पक्ष

साक्षीगण (नाम, पिता का नाम व पता) हस्ताक्षर